ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

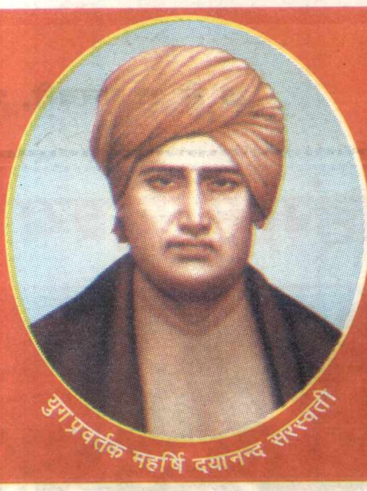

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 13 अंक 26 कुल पृष्ठ-12 15 से 21 फरवरी, 2018 दयानन्दाब्द 193 सृष्टि सम्वत् 1960853118 सम्वत् 2074 फा. कृ.-14

धार्मिक पारवण्ड, नशारवोरी, अश्लीलता एवं कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध 5 फरवरी, 2018 से 11 फरवरी, 2018 तक आयोजित

सोनीपत से सिरसा तक की प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा प्रभावशाली कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न

शराबबन्दी की राष्ट्रीय नीति घोषित करे केन्द्र सरकार

– स्वामी रामवेश

कन्या भ्रूण हत्या, नशारवोरी व धार्मिक पारवण्ड देश के लिए रवतरा

– स्वामी आर्यवेश

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 के विहंगम दृश्य

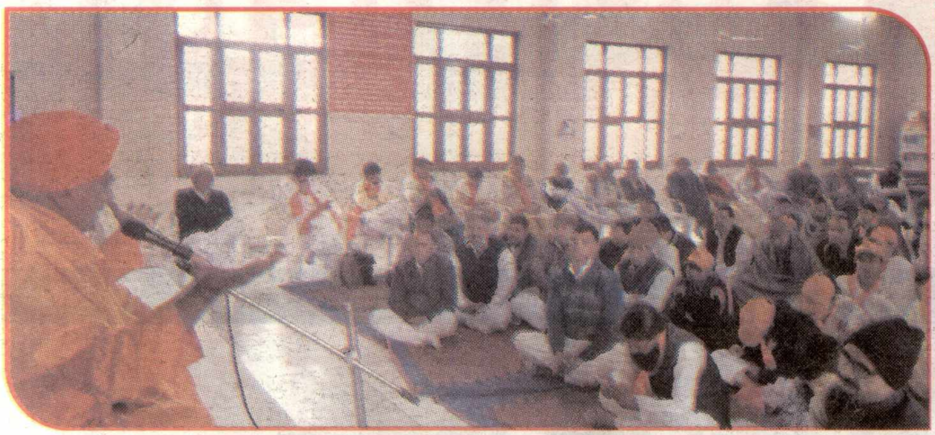

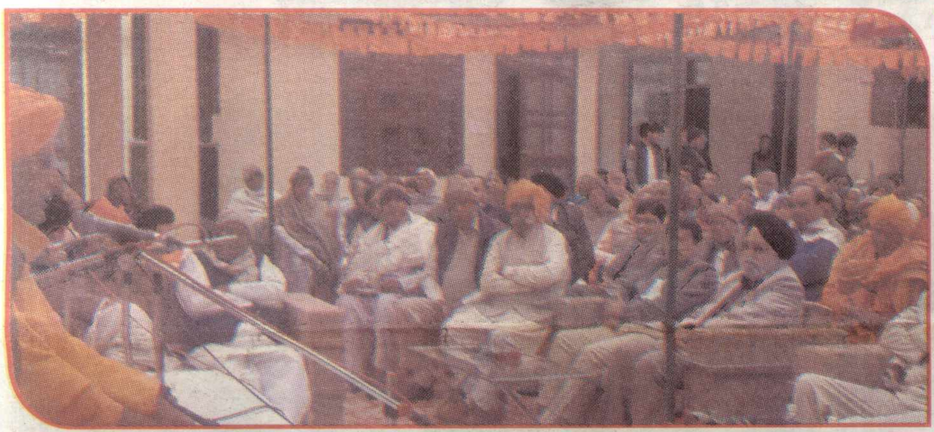

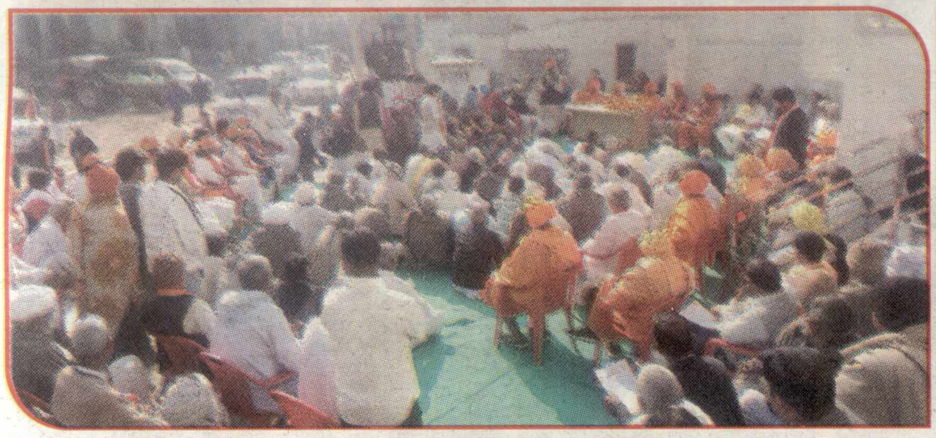
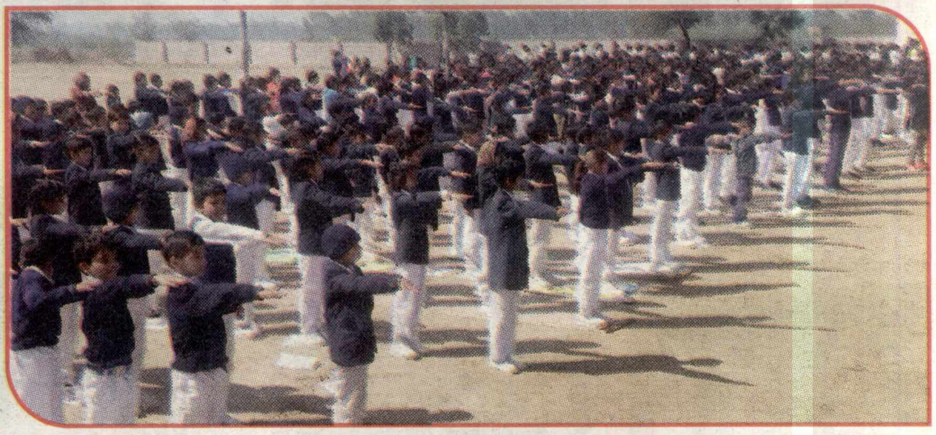
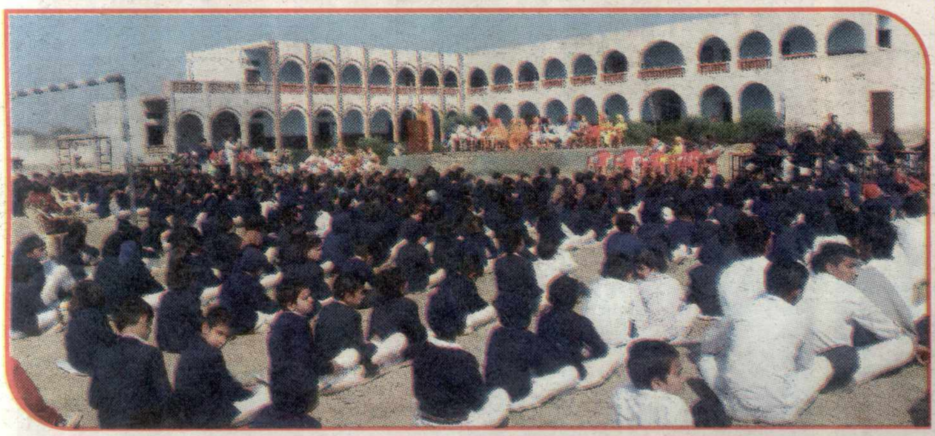

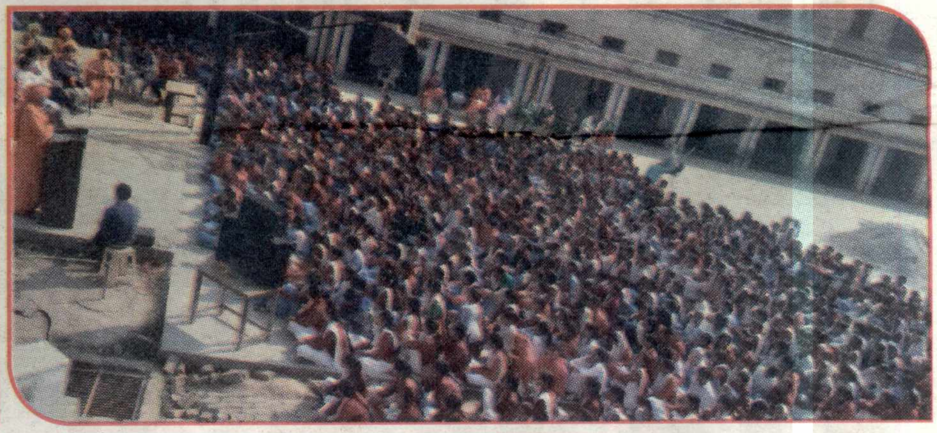

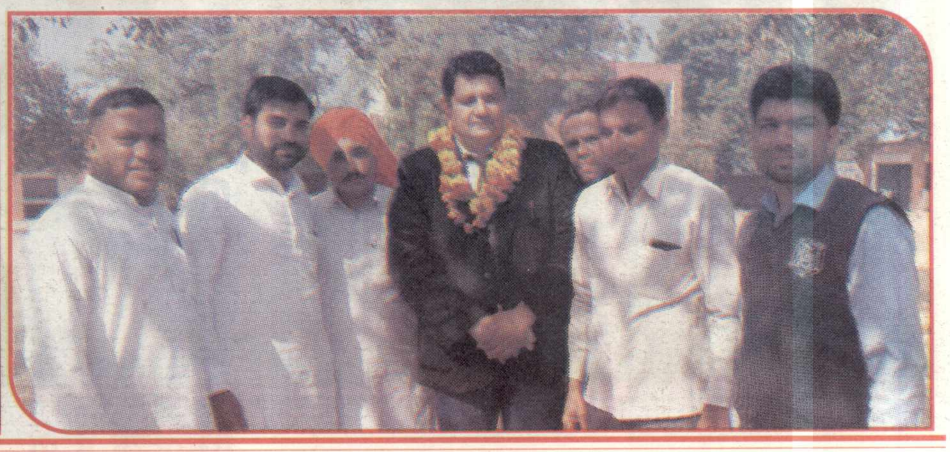

सोनीपत से सिरसा तक की प्रान्तीय जन–चेतना यात्रा

समाज में बढ़ते हुए धार्मिक पाखण्ड, नशाखोरी, अश्लीलता, कन्या भ्रूण हत्या एवं महिलाओं पर अत्याचार के विरुद्ध आर्य समाज ने पूरे देश में अभियान चलाया हुआ है। इसी क्रम में 5 से 11 फरवरी, 2018 तक एक भव्य जन–चेतना यात्रा का आयोजन हरियाणा के सोनीपत नगर से सिरसा नगर तक किया गया। जिसमें आर्य समाज के वरिष्ठ संन्यासी, कार्यकर्ता एवं आर्य बहनों ने भाग लिया। यह यात्रा दून वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, सोनीपत से 5 फरवरी, 2018 को प्रारम्भ हुई तथा आठ जिलों में जन–जागरण करते हुए अनेक जनसभाओं, नुक्कड़ सभाओं एवं विद्यालयों में जन–जागरण करते हुए 11 फरवरी, 2018 को आर्य समाज मंदिर, सिरसा में सम्पन्न हुई। यात्रा में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, नशाबन्दी परिषद् के अध्यक्ष स्वामी रामवेश जी, वेदाचार्य, व्याकरणाचार्य स्वामी चन्द्रवेश जी, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के महामंत्री श्री बिरजानन्द जी, सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री महेन्द्र सिंह शास्त्री, बेटी बचाओ अभियान की अध्यक्षा पूनम आर्या तथा संयोजक प्रवेश आर्या, आर्य भजनोपदेशक श्री सहदेव बेधड़क, श्री अतर सिंह क्रांतिकारी आदि ने स्थान–स्थान पर सभाओं को सम्बोधित किया। यात्रा का नेतृत्व सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने किया। यात्रा का शुभारम्भ 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' प्रकल्प के प्रभारी श्री राजीव जैन ने झण्डी दिखाकर किया। इससे पूर्व दून स्कूल में यज्ञ एवं सभा का आयोजन किया गया जिसमें मा. भगवान सिंह, श्री यशपाल आर्य, मा. फतेसिंह आर्य, प्रो. ओम प्रकाश गर्ग, डॉ. प्रवीण आर्य, श्री जयप्रकाश आर्य, श्री नरेश कुमार शर्मा, श्री बलराम आर्य, श्री भगत सिंह, मा. हुकुम सिंह, श्री संदीप बत्रा–सड़क सुरक्षा संगठन, श्री राजेन्द्र सिंह चहल, श्री ओम प्रकाश आर्य–मंत्री व डॉ. नारायण सिंह दहिया–प्रधान आर्य समाज मालवीय नगर, श्री ब्रह्म सिंह रोहिला आदि महानुभाव उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रिं. आजाद सिंह बांगड़ ने किया।

दून स्कूल से रैली के रूप में यात्रा हजारों विद्यार्थियों के साथ सोनीपत शहर में आगे बढ़ते हुए आसमान को नारों से गुंजाते हुए जोश–खरोश के साथ प्रारम्भ हुई। रैली में जागृति हाई स्कूल, सविता हाई स्कूल, प्रवीण हाई स्कूल, दिल्ली विद्यापीठ एवं दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी एवं अध्यापक वर्ग सम्मिलित हुए। यह यात्रा मैथोडिस्ट स्कूल, हिन्दू प्राइमरी स्कूल, सैनी मॉर्डन स्कूल, गौतम मॉर्डन सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, आर्य उच्च विद्यालय काठमण्डी तथा बी.एड. कॉलेज से होती हुई ग्राम रोहट में पहुँची। उपरोक्त सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सड़क पर पंक्तिबद्ध होकर यात्रा का गगनभेदी नारों से स्वागत किया। सभी विद्यार्थियों के हाथों में विविध नारों के नामपट्ट थे जिससे यात्रा को बड़ा बल मिला। इन स्कूलों में मैथोडिस्ट स्कूल की मंजू रानी, श्री लाल साहब व श्री दीपक शर्मा, हिन्दू प्राइमरी स्कूल के श्री प्रदीप बंसल, श्री अनिल खत्री व श्री दीपक गुप्ता, सैनी मॉडल स्कूल के श्री ओमप्रकाश सैनी, आर्य स्कूल के श्री नरेश कुमार आर्य तथा बी.एड. कॉलेज के प्रिं. श्री हरपाल सिंह ने यात्रा का स्वागत किया। प्रो. ओम प्रकाश गर्ग ने अपने साथियों सहित यात्रा का जलपान द्वारा आतिथ्य किया। यात्रा के उद्घाटन समारोह एवं सोनीपत जिले के सभी कार्यक्रमों का कुशल संयोजन प्रिं. आजाद सिंह बांगड़ ने किया सोनीपत जिले के सभी कार्यक्रम अत्यन्त सफल तथा प्रभावशाली रहे।

ग्राम रोहट में सतनाम विद्या मंदिर स्कूल में यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूल के संचालक श्री बिजेन्द्र साध के अतिरिक्त श्री धर्मप्रकाश दहिया प्रधान आर्य समाज काठमण्डी सोनीपत, श्री भानू जी, श्री बलजीत सिंह समाज कल्याण परिषद्, श्री रणवीर सिंह, श्री चतर सिंह, श्री रघुवीर साध, श्री राजवीर साध, श्री चाँद सिंह साध एवं श्री दयानन्द दहिया प्रधान आर्य समाज रोहट ने यात्रा का स्वागत किया। श्री दयानन्द दहिया ने 2100/– रुपये की राशि भी प्रदान की। रोहट के पश्चात् प्रताप मेमोरियल स्कूल खरखौंदा में बहुत ही सुन्दर भोजन की व्यवस्था एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रिं. धर्म प्रकाश दहिया, श्री ओम प्रकाश दहिया मुख्य कोच, श्री सत्य प्रकाश आर्य व्यवस्थापक एवं श्री वेद प्रकाश आर्य पूर्व सरपंच रोहणा आदि का विशेष सहयोग रहा। रोहणा गाँव में श्री जोगेन्द्र सिंह व श्री सोमवीर आर्य के पुरुषार्थ से कार्यक्रम आयोजित हुआ। ग्राम छारा के मास्टर साहब सिंह आर्य, आर्य प्रमोद कुमार, आर्य वीरेन्द्र पहलवान, श्री विजेन्द्र पहलवान आदि ने कार्यक्रम आयोजित किया। झज्जर में रात्रि पड़ाव ब्राह्मण धर्मशाला में हुआ। आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था सर्वश्री रमेश चन्द्र वैदिक, ओम प्रकाश यादव, सुभाष आर्य, जयभगवान आर्य आदि ने की। पूर्व विधायक श्री अजीत सिंह एडवोकेट भी यात्रा में बेरी तक साथ चले। झज्जर में लिटिल एंजेल स्कूल में शानदार कार्यक्रम हुआ जिसे श्री जयदेव दहिया, श्री कृष्ण डांगर के सहयोग से सम्पन्न किया गया। श्री मुकेश शर्मा ने मंच संचालन किया।

दिनांक 6 फरवरी, 2018 को ग्राम धौड़ में श्री दिलबाग सिंह, श्री वीरदेव आर्य, श्री मांगेराम आर्य, श्री राजेश सरपंच, श्री भीमसिंह, श्री हवा सिंह, श्री हसवीर सिंह आर्य पूर्व सरपंच आदि के सहयोग से गाँव की चौपाल में कार्यक्रम आयोजित हुआ। बेरी के माता भीमेश्वरी देवी इण्टरनेशनल स्कूल में श्री वीरेन्द्र कादियाण अध्यक्ष, श्रीमती सुशीला कादियाण निदेशक, श्री सतेन्द्र नान्दल प्रशासक एवं श्री धर्मराज डांगर प्रिंसिपल तथा श्री प्रवीण नान्दल के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित हुआ। डॉ. परविन्दर जी ने इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। श्री वीरेन्द्र कादियाण ने यात्रा के नेता पूज्य स्वामी आर्यवेश जी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी की जन्मस्थली ग्राम सुण्डाना में यात्रा का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ दोपहर के भोजन की भी व्यवस्था थी जिसका पूरा दायित्व श्री यज्ञवीर सिंह सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह ने अपने ऊपर लिया हुआ था। श्री यज्ञवीर जी ने यात्रा हेतु 5100/– रुपये की राशि भी प्रदान की। कार्यक्रम में मास्टर रामेश्वर आर्य, श्री रणवीर आर्य, डॉ. जयभगवान, श्री राजपाल ढाका, मा. सन्तराज, डॉ. विजेन्द्र सिंह, श्री कुलदीप सिंह, श्री प्रवीण आर्य, श्री ओम प्रकाश आर्य, श्री सज्जन सिंह एवं श्री ईश्वर सिंह आर्य का सहयोग रहा।

ग्राम आनन्दपुर भाली में श्री अनूप सिंह आर्य, श्री रोहित आर्य, श्री सुरेन्द्र, श्री नीरज, श्री सत्यपाल, श्री नवीन, श्री आजाद सिंह, श्री टेकराम, श्री उदय सिंह आदि के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम मोखरा में आर्य समाज के विशाल प्रांगण में श्री राजवीर आर्य के संयोजन में यात्रा का स्वागत हुआ।

मोखरा से यात्रा ग्राम फरमाना पहुँची जहाँ रात्रि का पड़ाव था। आर्य समाज फरमाना के कार्यकर्ताओं सर्वश्री नफेसिंह आर्य, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. सत्यवीर सिंह, पं. रणधीर शर्मा आदि ने पुरुषार्थ करके शानदार आयोजन किया। भोजन, आवास एवं कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था की गई थी। यहाँ आर्य समाज की ओर से 5100/– रुपये तथा जिला पार्षद् श्री मनोज कुमार जी ने 11 हजार रुपये देकर यात्रा का स्वागत किया। फरमाना में ग्राम की चौपाल व आर्य समाज मंदिर तथा राजकीय सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये। फरमाना से यात्रा के.सी.एम. विद्यालय निन्दाना पहुँची जहाँ श्री राजेश सरपंच, श्री वजीर सिंह निदेशक, स्कूल के प्रिंसिपल श्री महेन्द्र सिंह तथा श्री नीरज कुमार प्रबन्धक के अतिरिक्त राजकीय कन्या वरिष्ठ विद्यालय की ओर से ऋषिराज शास्त्री, श्रीमती सोनिया एवं श्रीमती एकता ने अपनी छात्राओं सहित यात्रा का स्वागत किया। निन्दाना के ही राजकीय वरिष्ठ् माध्यमिक विद्यालय में अलग से कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसके पश्चात् यात्रा ग्राम लाखन माजरा पहुँची। वहाँ से ग्राम आहूलाना पहुँचकर कार्यक्रम में भाग लिया तथा दोपहर के भोजन की व्यवस्था आर्य समाज आहूलाना में की गई थी। आर्य समाज के मंत्री श्री मलिक राज, श्री पवन आर्य, श्री जगवीर सिंह शास्त्री, श्री भूपसिंह आर्य, श्री युद्धवीर आर्य आदि ने यात्रा का स्वागत किया और आर्य समाज की ओर से 5100/– रुपये की राशि भी प्रदान की।

ऋषिकुल विद्यालय गोहाना में श्री रामपाल, श्री भीष्मचन्द्र सिंह, श्री माकन सिंह, स्कूल संस्थापक श्री फतह सिंह आदि ने यात्रा का स्वागत किया तथा स्कूल के संचालक श्री ऊधम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम बुटाना में महावीर सिंह कुण्डू, श्री भगत सिंह कुण्डू, श्री चन्द्ररूप, श्री बलवन्त सिंह, श्री हजारी लाल एवं बारह के प्रधान श्री राजेन्द्र सिंह आदि ने यात्रा का स्वागत किया। ग्राम खेड़ी में श्री फूल कुमार सरपंच, मा. राजपाल, मा. टेकराम, श्री जोगेन्द्र मलिक एवं डॉ. शक्ति सिंह ने यात्रा का स्वागत किया। ग्राम कोहला में स्वयं प्रिं. आजाद सिंह बांगड़ ने यात्रा का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यहाँ से यात्रा ग्राम गंगाना पहुँची, जहाँ आर्य हाई स्कूल में रात्रि पड़ाव हुआ। गंगाना में श्री बलराम आर्य एवं श्री कृष्ण आर्य पूर्व सरपंच ने भोजन एवं आवास तथा अगले दिन के प्रातराश की भी सुन्दर व्यवस्था की थी। गंगाना से ग्राम जागसी में यात्रा का गाँव के प्रतिष्ठित लोगों ने भव्य स्वागत किया। इनमें आजाद सिंह सरपंच, श्री सुरेन्द्र सिंह सरपंच, श्री राजसिंह चेयरमैन ब्लॉक समिति, श्री टेकराम पूर्व सरपंच, श्री रामकुमार पूर्व सरपंच, श्री लवल किशोर प्रधानाचार्य, श्री सन्तलाल शर्मा मुख्य अध्यापक, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री बलवान सिंह रिटायर्ड लेक्चरार, श्री ईश्वर सिंह एवं श्री रघुवीर सिंह आर्य ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। ग्राम गांगुली में श्री सज्जन सिंह राठी के संयोजन में यात्रा का स्वागत किया गया। ग्राम गोईया में पूर्व सरपंच श्री धर्मवीर जी ने दोपहर के भोजन एवं कार्यक्रम की शानदार व्यवस्था की थी। उनके अतिरिक्त श्री हजूर सिंह पूर्व सरपंच, श्री राजकुमार फौजी, श्री हवा सिंह पंच, श्री बंशीलाल, श्री सत्यपाल सरपंच, डॉ. राजपाल आर्य, पहलवान सूरजमल आदि ने यात्रा का स्वागत किया। राजौंद में यात्रा का भव्य आयोजन हुआ जिसमें नगर परिषद् की चेयरमैन श्रीमती गुड्डी राणा, श्री सुरेश शर्मा लेक्चरार, डॉ. होशियार सिंह आर्य, श्री जयपाल आर्य, श्री किरणपाल आर्य, श्री चन्द्रशेखर, श्री कर्ण सिंह, श्री नरेन्द्र सिंह, श्री प्रवीण राणा, श्री अतुल राणा आदि ने यात्रा का स्वागत किया। श्री देवेन्द्र सहारण ने दोनों विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को एकत्र करके तथा आर्य युवक परिषद् के प्रधान डॉ. होशियार सिंह आर्य, श्री जयपाल आर्य, श्री किरणपाल आर्य आदि ने भारी संख्या में ग्रामवासियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जाट कॉलेज कैथल के ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में यात्रा का स्वागत सर्वश्री सत्यवीर आर्य, अमित गुप्ता, मा. श्यामलाल आर्य, देवेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र पहलवान, सरदार बलदेव सिंह, राहुल आर्य, जगमति आर्या, हृषिकेश आर्य, मंत्री आर्य समाज आदि ने यात्रा का स्वागत किया। ग्राम चाँदपुर में मनीष आर्य के संयोजन से शानदार सभा आयोजित हुई जिसमें पूर्व सरपंच श्री आजाद सिंह, पूर्व सरपंच श्री ओम सिंह, श्री अजीत सिंह, श्री देवक राम, श्री टेकराम आर्य, डॉ. यादराम आर्य व श्री सूरजभान आर्य ने यात्रा का स्वागत किया। ग्राम अहीरका में श्री दयानन्द आर्य ने अपने साथियों के साथ यात्रा का शानदार स्वागत किया। रात्रि पड़ाव जाट धर्मशाला जीन्द में रहा। जहाँ इण्डस शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सुभाष श्योराण ने भोजन एवं आवास की पूरी व्यवस्था स्वयं संभाल रखी थी। स्वामी रामवेश जी के आश्रम योग चिकित्सा आश्रम अर्बन स्टेट में प्रातःकाल का यज्ञ एवं कार्यक्रम हुआ। यहीं से नाश्ता करने के उपरान्त यात्रा को श्री सुभाष श्योराण ने झण्डी दिखाकर रवाना किया।

जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जीन्द के प्रिंसिपल रामफल सिंह खटकड़ के सहयोग एवं श्री सौरभ भारद्वाज तथा श्री देवेन्द्र सहारन के प्रयत्न से कार्यक्रम आयोजित हुआ और श्री सुनील, श्री धर्मवीर, श्री संजय, श्रीमती सुमन तथा श्रीमती वीणा सहित जाट शिक्षा समिति के सदस्यों ने यात्रा का स्वागत किया। ऋषिकुल पब्लिक स्कूल जीन्द में 'शिक्षक गौरव' से सम्मानित स्कूल के निदेशक श्री राजीव गिल ने शानदार कार्यक्रम आयोजित किया। तथा यात्रा को 5100/– रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खटकड़ में श्री अशोक आर्य, श्री संजय पहलवान, श्री सोनू आर्य, श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री विजय आर्य, मा. अजीत पाल, श्री जरनैल सिंह, श्री शैलेन्द्र कुमार, श्री राजेश खटकड़, श्री कर्मपाल आर्य एवं श्री बलकार सरपंच ने यात्रा का स्वागत किया। यहाँ श्री रणवीर सिंह आर्य पहलवान पूर्व जिला पार्षद् भी यात्रा में सम्मिलित हुए, उनके अतिरिक्त खण्ड शिक्षण अधिकारी राजकुमार अहलावत, श्री धर्मराज कंडेला, संतोष रानी, श्रीमती अंजू बाला, श्रीमती रानी देवी, श्रीमती नीलम, श्री महावीर सिंह, श्री विष्णुदत्त, श्री मनरूप खटकड़ आदि का भी सहयोग रहा।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना में सर्वश्री करतार सिंह चहल प्रधानाचार्य, सुरेश रेढ़ू, सुनील दत्त शास्त्री, ओमदत्त, वीरेन्द्र, रविन्द्र शास्त्री, सरोज, श्रीमती रेढ़ू, सुमेश, श्रीमती ऊषा गुप्ता, श्रीमती सरला, श्रीमती बविता एवं राजकुमार अहलावत खण्ड शिक्षण अधिकारी तथा देवेन्द्र सहारन ने यात्रा का स्वागत किया। आर्य समाज नरवाना में यात्रा के दोपहर के भोजन

सोनीपत से सिरसा तक की प्रान्तीय जन–चेतना यात्रा

एवं कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था की गई थी। यात्रा का स्वागत श्री इन्द्रजीत आर्य, श्री नरेश आर्य, श्री अनिल आर्य, श्री विवेक आर्य, श्री आमोद, श्री विनोद गर्ग, श्री योगेन्द्र पाल आर्य, श्री विजय आर्य आदि ने किया। नरवाना से ग्राम बुढायन में यात्रा के पहुँचने पर श्री जयदेव आर्य एवं उनके अन्य सहयोगियों ने यात्रा का स्वागत किया। ग्राम कापड़ो में श्री रामसिंह आर्य, श्री दलशेर आर्य, श्री बलवान सिंह फौजी कोच, श्री कृष्ण गौरक्षक, श्री सत्यपाल आर्य, श्री सुरेश आर्य, श्री जयभगवान, मा. संदीप सिंह एवं श्री पवन कोच ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का रात्रि पड़ाव हांसी में था। जहाँ आर्य समाज के प्रधान श्री कृष्णचन्द्र बब्बर, श्री राजकुमार मंत्री, श्री नरेश अरोड़ा, श्री फतह सिंह, श्री तुलसीराम, श्री चमनलाल आर्य आदि ने यात्रा का स्वागत किया। मंच संचालन श्री जोशी कुमार धर्माचार्य ने किया। आर्य समाज हांसी ने जहाँ भोजन तथा निवास की समुचित व्यवस्था की वहीं 11 हजार रुपये की राशि भी प्रदान की। ग्राम उमरा में यात्रा का स्वागत आर्य समाज मंदिर के प्रांगण में किया गया। ग्राम लाडवा में श्री शमशेर सिंह आर्य नम्बरदार के संयोजन में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ तथा यात्रा का स्वागत सर्वश्री दादा मुंशीराम, दादा ढालसिंह, पं. तुलसीराम, श्री महेन्द्र सिंह पूनिया, श्री महेन्द्र सिंह एस.डी.ओ., श्री सत्यवीर सिंह एस.डी.ओ., श्री उम्मेद सिंह एस.डी.ओ., श्री धूपसिंह पूनिया, श्री ओम प्रकाश पूनिया, श्री राममेहर पूनिया, श्री पोक सिंह नम्बरदार, श्री वेदपाल नम्बरदार, श्री धर्मवीर, श्री धर्मपाल, श्री साधुराम, श्री सुबेदार दयानन्द, श्री रणवीर सिंह फौजी, श्री भीम सिंह फौजी, श्री बलराज, श्री रामकुमार, श्री शमशेर बाल्मीक, श्री चन्द्रभान, श्री कर्मवीर पूर्व पंच, श्री रोहतास पूर्व पंच, श्री मोहन शर्मा गऊशाला, श्री सुरजीत सिंह धानिया, श्री प्रदीप पूनिया सुपुत्र सरपंच श्री बारूराम, श्री कुलवन्त सिंह आदि ने यात्रा के यात्रियों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया। लाडवा से ग्राम नलवा में यात्रा के पहुँचने पर श्री अतर सिंह आर्य स्नेही (क्रांतिकारी) ने यात्रा का 11 हजार रुपये की राशि प्रदान कर सम्मान किया।

ग्राम कालवास में श्री जयवीर सोनी ने स्कूल के हजारों छात्र–छात्राओं को सड़क पर पंक्तिबद्ध खड़ा किया हुआ था। उन्होंने जोरदार स्वागत किया तथा स्वामी आर्यवेश जी ने संक्षिप्त उद्बोधन दिया। ग्राम मुकलान में कबड्डी खेल प्रतियोगिता हो रही थी जिसमें उमड़े हजारों स्त्री–पुरुष दर्शकों के बीच यात्रा का काफिला श्री दलवीर सिंह आर्य प्रधान जिला आर्य युवक परिषद् के नेतृत्व में पहुँचा। जहाँ हजारों लोगों को स्वामी आर्यवेश जी ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर चौ. बदलूराम आर्य, चौ. धनपत राम, चौ. रामस्वरूप जाखड़, श्री वीजेन्द्र सिंह हुड्डा, श्री महेन्द्र सिंह आर्य–आर्य नगर, श्री सूबे सिंह आर्य पूर्व जिला पार्षद्, श्री दिलबाग सिंह आर्य, श्री दिलबाग हुड्डा, पूर्व वीडियो श्री महावीर सिंह आर्य आदि ने यात्रा का स्वागत किया तथा स्वामी आर्यवेश जी का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। सी.ए.बी. हाई स्कूल हिसार के प्रांगण में आर्य समाज हिसार के प्रधान चौ. हरिसिंह सैनी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहाँ दोपहर के भोजन की भी आर्य समाज हिसार की ओर से समुचित व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में स्वामी सर्वदानन्द, कुलपति गुरुकुल धीरणवास, श्री बजरंग लाल आर्य कोषाध्यक्ष, श्री अतर सिंह स्नेही, श्री राम कुमार आर्य प्रधान वेद प्रचार मण्डल, श्री सत्यपाल अग्रवाल, श्री बलराम मलिक, श्री कर्मवीर शास्त्री, श्री देवेन्द्र सैनी आदि ने यात्रा का स्वागत किया। आर्य समाज की ओर से 21 हजार रुपये की राशि भी भेंट की गई। यात्रा के दौरान हिसार के नागौरी गेट के भीतर वाले बाजार में भी सम्बोधन दिया गया जिसे लोगों ने अत्यधिक पसन्द किया।

हिसार से सिवानी बोलान, गोरखपुर होतु हुए यात्रा रात्रि में गुरुकुल वेद मंदिर मताना डिग्गी फतेहाबाद पहुँची, जहाँ रात्रि पड़ाव की व्यवस्था थी। सिवानी बोलान तथा गोरखपुर में श्री शमशेर आर्य प्रधान राज्य गौशाला संघ हरियाणा के संयोजन में कार्यक्रम हुए और यात्रा का स्वागत किया गया। गुरुकुल मताना में आचार्य हरि सिंह भूषण जी ने आवास एवं भोजन की शानदार व्यवस्था की थी। उन्होंने यात्रा का भव्य स्वागत भी किया। उनके अध्यापक एवं छात्रों ने यात्रियों के लिए पलक–पांवड़े बिछा दिये। गुरुकुल के प्रधान डॉ. चिरंजीलाल आर्य ने प्रातःकाल गुरुकुल में यात्रा का स्वागत किया। आर्य समाज सुन्दरनगर फतेहाबाद में प्रधान श्री बंशीलाल आर्य, मंत्री श्री राजवीर शास्त्री, श्री बुधराम आर्य, श्री जयवीर आर्य, श्री रामकुमार वर्मा, श्री सूरजभान सोनी, श्री सुमेर आर्य, श्री पंकज आर्य, श्री अरूण आर्य, श्री जीवन आर्य, श्रीमती सुमन आर्या, श्रीमती सुमन सीवाच, श्रीमती सीमा मदान, श्रीमती सुमेधा वधावन डी.ए.वी., श्रीमती मंजू चोपड़ा प्रभारी पतंजलि आदि ने यात्रा का स्वागत किया। श्रीमती सुनीता मदान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यात्रा के सिरसा प्रवेश पर श्री जगदीश सींवर, श्री इन्द्रपाल आर्य तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वामी आर्यवेश जी का माल्यार्पण कर यात्रा का स्वागत किया। आर्य समाज सिरसा में यात्रा का समापन समारोह आयोजित था। आर्य समाज सिरसा का वार्षिक उत्सव भी इसी अवसर पर समाप्त होना था। अतः यात्रा के पहुँचने पर वहाँ का दृश्य अत्यन्त आकर्षक बन गया था। हजारों की उपस्थिति में यात्रा का सर्वश्री युद्धवीर सिंह आर्य प्रधान, भीष्म शास्त्री मंत्री, यशवीर शास्त्री कोषाध्यक्ष, डॉ. आर.एस. सांगवान, जगदीश सींवर, राजेन्द्र सिंह आर्य चाडीवाल, जगदीश बराच, इन्द्रपाल आर्य, राजेन्द्र शास्त्री, रामदेव शास्त्री आदि के अतिरिक्त चौ. बदलूराम आर्य, बजरंग लाल आर्य, दलवीर सिंह आर्य, मानसिंह पाठक प्रधानाचार्य गुरुकुल आर्यनगर, राजवीर आर्य फतेहाबाद, अतर सिंह स्नेही, नरेन्द्र आहूजा 'विवेक', राम प्रताप आर्य आदि ने यात्रा का स्वागत किया। स्वागत के उपरान्त यात्रा का नेतृत्व कर रहे सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का ओजस्वी उद्बोधन हुआ।

स्वामी जी ने 7 दिन की इस प्रभावशाली यात्रा का विवरण सुनाते हुए बताया कि यात्रा के दौरान 30 से 40 हजार विद्यार्थियों को कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता एवं धार्मिक पाखण्ड के विरुद्ध संकल्प दिलवाये गये। लगभग 50 हजार लोगों में इन बुराईयों के विरुद्ध चेतना पैदा की गई। लगभग 5 हजार स्थानों पर आर्य समाज के नारे लिखे गये जो कि यात्रा में साथ चल रहे पेंटर द्वारा लिखे गये। यात्रा के दौरान आयोजित जनसभाओं, नुक्कड़ सभाओं तथा रैलियों में भारी संख्या में लोग उमड़े तथा धार्मिक पाखण्ड के विरुद्ध सर्वाधिक उत्साह लोगों ने दिखाया। राम–रहीम, रामपाल या आसाराम आदि पाखण्डियों एवं अपराधियों का नाम लेते ही लोगों में विशेष प्रकार का आक्रोश दिखाई देता था। स्वामी आर्यवेश जी ने बताया कि लोगों को अपने–अपने गाँव, मोहल्ले एवं नगरों में निगरानी समितियाँ बनाने के लिए प्रेरित किया गया है जिसमें सभी बिरादरियों और समूहों के प्रतिनिधि शामिल हों तथा वे सभी मिलकर उपरोक्त बुराईयों को रोकने के लिए मजबूती से कार्य करें। स्वामी आर्यवेश जी ने भावी कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि 26 से 30 मार्च, 2018 तक फरीदाबाद से भिवानी जिसमें दक्षिणी हरियाणा के फरीदाबाद, पलवल, मेवात, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, दादरी तथा भिवानी जिले शामिल होंगे में यात्रा निकाली जायेगी। अप्रैल, 2018 में पानीपत से पंचकुला तक यात्रा निकाली जायेगी जिसमें पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, अम्बाला तथा पंचकुला जिले शामिल होंगे। हरियाणा के पश्चात् उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद से सहारनपुर तक जन–चेतना यात्रा का आयोजन किया जायेगा जिसमें गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर तथा सहारनपुर जिले शामिल होंगे। इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, हिमाचल तथा पंजाब आदि प्रान्तों में भी ऐसी जन–चेतना यात्राएँ आयोजित करने की योजना तैयार की जायेगी।

स्वामी आर्यवेश जी ने आर्यों का आह्वान किया कि अब हम सभी को अपने व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर आर्य समाज के लिए संगठित होकर कार्य करना चाहिए। यदि आर्यजन अपने हृदय की विशालता का परिचय देते हुए देश के ज्वलन्त मुद्दों पर पूरे देश को जगाने के लिए इकट्ठे होकर कार्य करने का मन बना सकें तो एक नया इतिहास रचा जा सकता है। इस समय देश की जनता किं कर्त्तव्य विमूढ़ की अवस्था में है। उन्हें आर्य समाज के सिवाय किसी और संस्था पर विश्वास नहीं है कि उन्हें इन समस्याओं से कोई निजात दिला सके। आर्य समाज ही एक ऐसा संगठन है जिस पर आज भी लोगों का विश्वास कायम है। हमारी आपसी खींचतान एवं गुटबाजी से हम सभी को तथा पूरे आर्य समाज को बहुत अधिक हानि हो रही है। आओ! मिलकर सोचें और समाज तथा देश को समस्त सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति दिलाने के लिए समर्पित होकर कार्य करें। स्वामी आर्यवेश जी ने बताया कि इस यात्रा में स्थान–स्थान पर त्यागी, तपस्वी संन्यासी स्वामी रामवेश जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी दिव्यवेश जी, श्री बिरजानन्द जी, श्री महेन्द्र सिंह शास्त्री जी, बहन पूनम एवं प्रवेश आर्या जी, श्री अतर सिंह स्नेही आदि के अतिरिक्त अन्य गणमान्य महानुभावों ने समय–समय पर सभाओं को सम्बोधित किया। बहन प्रवेश आर्या ने संकल्प दिलवाकर हजारों हजार छात्र–छात्राओं को अभियान से जोड़ा। इस पूरी यात्रा का कुशल संयोजन एवं समन्वय अत्यन्त ऊर्जावान एवं तेजस्वी युवा नेता ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य ने किया और दिन–रात अनथक परिश्रम करके यात्रा को सफलता के चरम शिखर तक पहुँचाने में अपनी पूरी शक्ति लगाई। परमात्मा से प्रार्थना है कि ऐसे समर्पित सदाचारी एवं तेजस्वी नवयुवक आर्य समाज से और अधिक जुड़ें ऐसी आर्यों में प्रेरणा करें। ब्र. दीक्षेन्द्र जी का भी स्वामी आर्यवेश जी ने विशेष साधुवाद किया।

स्वामी जी ने बताया कि हमारी यात्रा प्रतिदिन प्रातः यज्ञ से प्रारम्भ होती रही तथा पूज्य स्वामी चन्द्रवेश जी के आध्यात्मिक प्रवचनों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ती रही। यात्रा में सम्मिलित सभी पूज्य संन्यासी वृन्द, पूज्य विदुषी बहनें एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं ने सभी सुख–सुविधाओं एवं आराम को त्यागकर जो तप किया है उसी का परिणाम है कि जहाँ से भी यह यात्रा निकलती गई वहीं पर लोगों की जुबान पर यात्रा की प्रशस्ति के पुल बँध गये। स्वामी आर्यवेश जी ने यात्रा में सहयोग देने के लिए समस्त यात्रीगण, सहयोगीगण जहाँ–जहाँ यात्रा का कार्यक्रम हुआ वहाँ पर जलपान, फलाहार, भोजन तथा आवास आदि की अति उत्तम व्यवस्था करने वाले अपने सहयोगी साथियों का हृदये से धन्यवाद ज्ञापित करके, आर्य समाज सिरसा की भी विशेष प्रशस्ति की। जितने जोश से यात्रा प्रारम्भ हुई थी उससे भी अधिक उत्साह, जोश एवं भव्यता के साथ इसका समापन हुआ है। इसके लिए आर्य समाज सिरसा के अधिकारियों के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ। 11 हजार रुपये की राशि भी आर्य समाज सिरसा की ओर से प्रदान करने के लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूँ। स्वामी आर्यवेश जी ने यह भी संकेत दिया कि निकट भविष्य में जिला स्तर पर तीन–तीन दिन की यात्राओं का आयोजन किया जायेगा जिसमें आर्य समाज के भजनोपदेशक, प्रखर वक्ता, कार्यकर्ता, साधु–संन्यासी, बहनें भाग लेंगी तथा अन्य व्यवस्था करके गाँव–गाँव में निगरानी समितियों तथा आर्य समाजों का गठन किया जायेगा जो सक्रिय रूप से बुराईयों के विरुद्ध कार्य करेंगी।

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 में विभिन्न स्थानों पर सम्मान के दृश्य

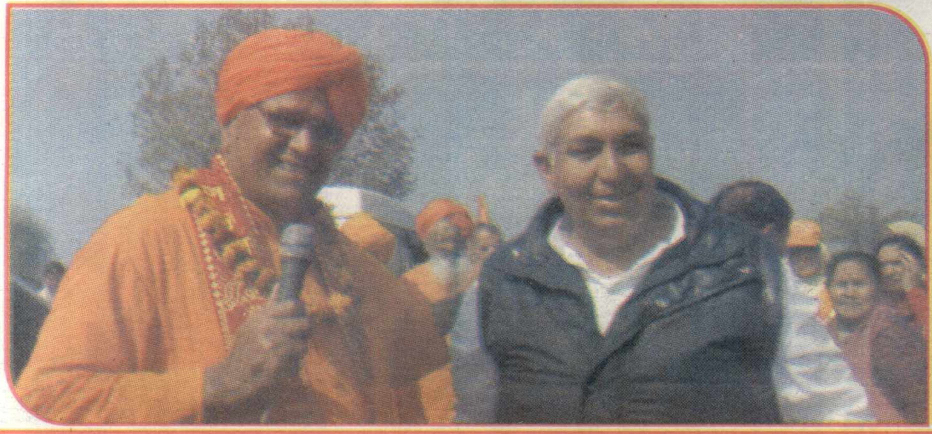

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 के विभिन्न स्थानों पर अपने विचार रखते हुए वक्तागण

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 के विहंगम दृश्य

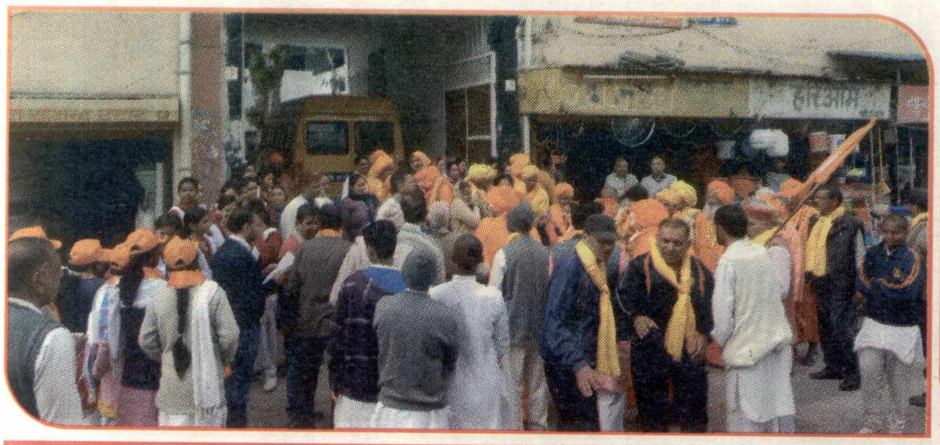

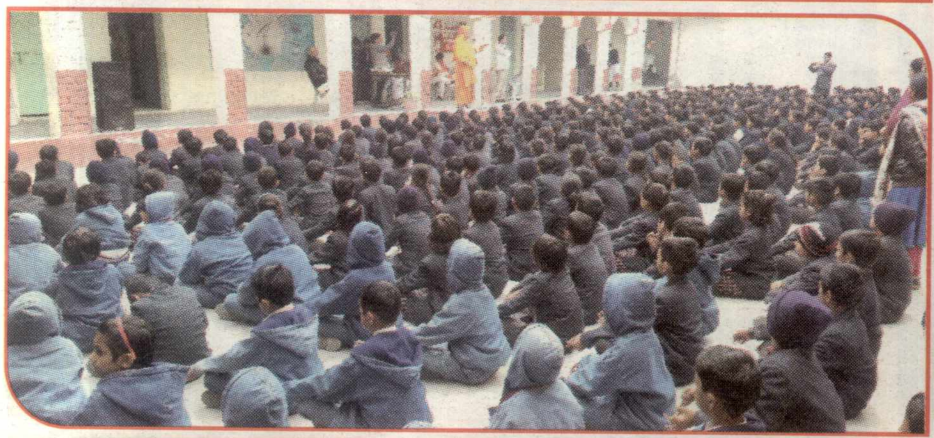
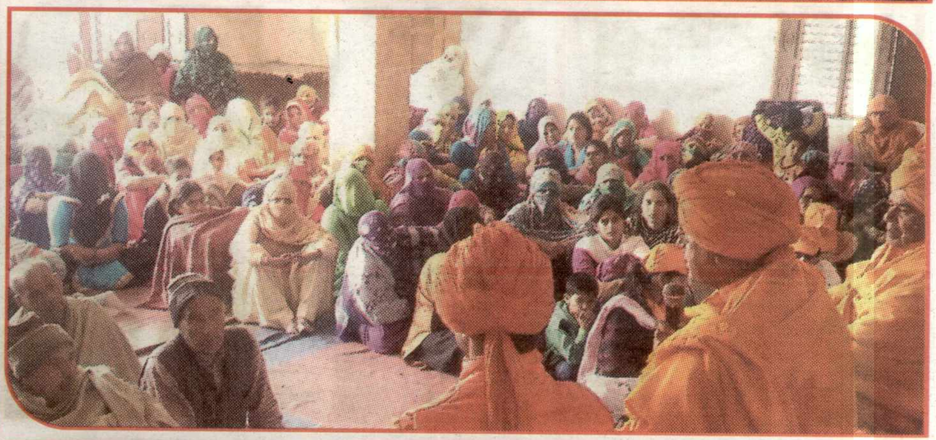

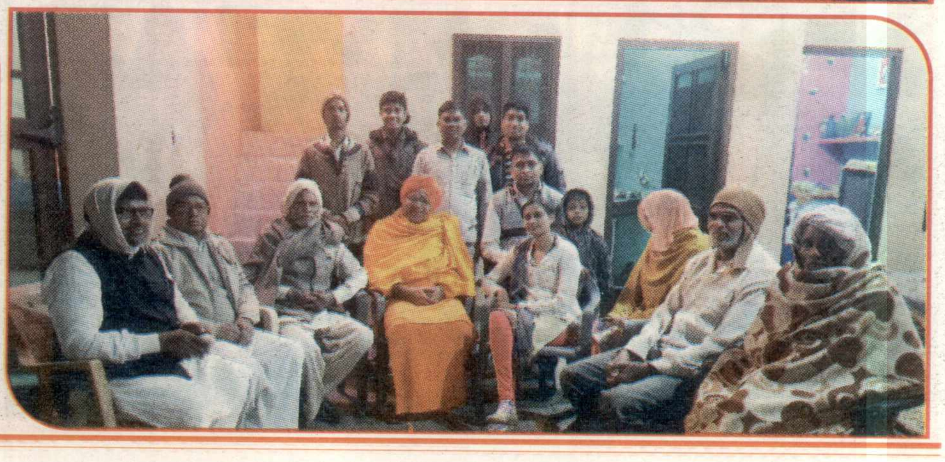

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 के विभिन्न स्थानों पर संकल्प के दृश्य

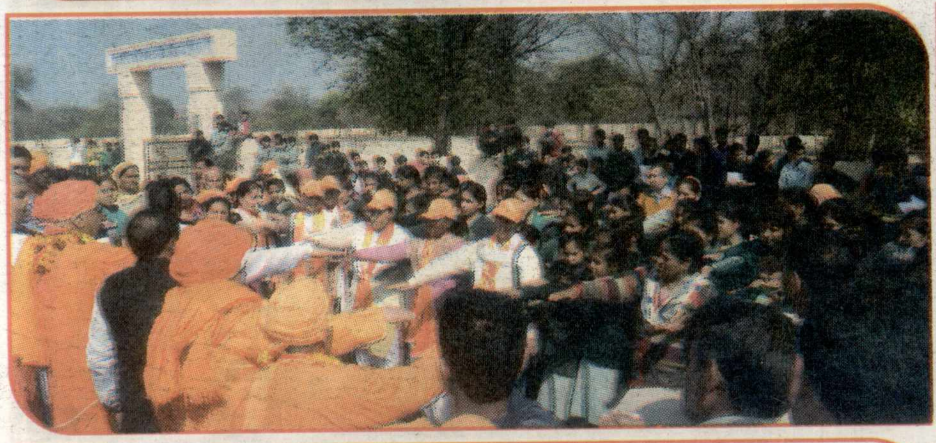

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा समाचार पत्रों की सुर्खियों में

झज्जर पहुंची प्रांतीय जन चेतना यात्रा में बोले स्वामी आर्यवेश

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता एवं धार्मिक पाखंड समाज के लिए खतर

एलए स्कूल में हुआ जन चेतना यात्रा का आगमन

प्रांतीय जन चेतना यात्रा

शराबबंदी पर राष्ट्रीय नीति

हरिभूमि न्यूज >> रोहतक

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान और युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई प्रांतीय जन चेतना यात्रा बुधवार

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश, स्वामी रामवेश, पूनम आर्या और संयोजक प्रवेश

मोखरा। जन चेतना यात्रा को संबोधित करते हुए स्वामी आर्यवेश, के पप्पी उत्तम सिंह मोर।

जन चेतना यात्रा गांव सुंडाना पहुंची

हरिभूमि न्यूज >> रोहतक

गांव सुंडाना में मंगलवार को प्रांतीय जन चेतना यात्रा पहुंची। आर्य समाज द्वारा कन्या भ्रूणहत्या, नशाखोरी व धार्मिक पाखंड के विरुद्ध जन चेतना यात्रा 5 फरवरी को सोनीपत से शुरू हुई थी।

यात्रा का नेतृत्व करते हुए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि समाज में हो रहे नैतिक पतन, बढ़ती

रोहतक। जनसभा को संबोधित करते हुए बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या। फोटो: हरिभूमि

श्रद्धांजलि दी और कहा कि आर्य समाज द्वारा सबसे पहले बेटी बचाओ अभियान स्वामी इंद्रवेश के नेतृत्व में चलाया गया। मुख्य वक्ता बहन प्रवेश आर्या ने कहा कि बेटियां सिर्फ नारे बदलने से नहीं बल्कि मानसिकता बदलने से बचेंगी। आज

जब बेटियों को मां के पेट में मारकर आने वाले समय की मां के अस्तित्व को मिटाने का प्रयास हो रहा है। सभी सावधान होने की जरूरत है। नशा बंदी परिषद हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश ने सरकार से मांग की कि देश में पूर्ण शराब बंदी की राष्ट्रीय

नीति बननी चाहिए। इसके बाद यात्रा सुंडाना से होती हुई भाली, मोखरा होती हुई फरमाना पहुंची।

आज यहां पहुंचेगी

आज यात्रा फरमाना से चलकर निंदाना, लाखनमाजरा, आहुलाना, गोहाना, बुटाना, कोसला, नूरनखेड़ा होती हुई गंगाना में पहुंचेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रामेश्वर आर्य, चौ ईश्वर सिंह आर्य, रामेश्वर आर्य, रणबीर, ओमप्रकाश, जगरूप, रामभेहर, जगदीश रामकिशन, पारू, प्रदीप, धर्मवीर, जोगेंद्र, महावीर, रणवीर, बलबीर, मा सत्यराम, रामफल, नरेश आर्य आदि ने स्वामी आर्यवेश, स्वामी रामवेश ने बहन प्रवेश आर्या व पूनम आर्या को सम्मानित किया।

आर्य समाज न दिलवा

धर्म समाज संस्था सिटी रिपोर्टर

देशभर में शराबबंदी पर राष्ट्रीय नीति बनाने की पहल करें प्रधानमंत्री : स्वामी आर्यवेश

लाखनमाजरा पहुंची आर्य समाज की जन चेतना यात्रा

लाखनमाजरा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाखनमाजरा में आर्य

प्रांतीय जन चेतना यात्रा में बोले स्वामी आर्यवेश

शराबबंदी पर राष्ट्रीय नीति बनाई जाए

हरिभूमि न्यूज >> जींद

शराबबंदी के लिए जागरूक कर रहा आर्य समाज : आर्यवेश

बदले मानसिकता

'शराब बंदी के लिए जागरूक करता रहेगा आर्य समाज'

जींद। सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा, बेटी बचाओ अभियान व युवा निर्माण अभियान कर संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय जन चेतना यात्रा वीरवार को जींद जिले के गांगोली, कालवा, पिल्लूखेड़ा, गोहियां, चांदपुर, शाहपुर व अहिरका पहुंची। यात्रा का नेतृत्व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश व प्रांतीय नशाबंदी परिषद हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश, बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या, संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने किया। यहां कई स्कूलों में बच्चों को नशा नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई। स्वामी आर्यवेश ने केंद्र सरकार से देश में पूर्ण शराब बंदी लागू करने की मांग की।

'नारों से नहीं, मानसिकता बदलने से बचेंगी बेटियां'

प्रांतीय जन चेतना यात्रा महाराजा अग्रसेन हाल स्टेडियम में पहुंची

आर्य समाज गांवों में निगरानी समिति बनाकर रोकेगा भ्रूण हत्या-नशाखोरी

सिटी फतेहाबाद

अश्लीलता और पाखंड देश के विकास के लिए खतरा

फतेहाबाद पहुंची प्रांतीय...

अश्लीलता और पाखंड देश के विकास के लिए खतरा

आर्य प्रतिनिधि सभा की जागरूकता रैली फतेहाबाद पहुंची

सिटी सिरसा

पाखंड समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती

आर्य समाज सर्वाधिक मजबूत वैदिक संस्कृति: आर्यवेश

सातवां दिन

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता व पाखंड देश के लिए खतरा: आर्यवेश

स्वामी आर्यवेश ने की शराब बंदी की मांग

समाज उत्थान के लिए कन्या भ्रूण हत्या रोकना जरूरी

आर्य समाज के प्रतिष्ठित नेता पूर्व प्रशासनिक अधिकारी चौ. सूबे सिंह (रिटायर्ड एस.डी.एम.) का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के पूर्व मंत्री, आर्य समाज के प्रतिष्ठित नेता एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अनुभव एवं कुशलता से ओत–प्रोत व्यक्तित्व रिटायर्ड एस.डी.एम. चौ. सूबे सिंह जी का 10 फरवरी, 2018 को रोहतक के पी.जी.आई.एम.एस. अस्पताल में देहान्त हो गया। उनकी अन्त्येष्टि पूर्ण वैदिक रीति से की गई जिसमें सम्मिलित होकर सैकड़ों गणमान्य महानुभावों ने उन्हें अन्तिम विदाई दी।

चौ. सूबे सिंह आर्य समाज के एक सुलझे हुए अनुभवी एवं कुशल नेता थे। वे आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा में उपप्रधान एवं मंत्री पद को भी सुशोभित कर चुके थे। आर्य समाज की महान विभूति स्वामी ओमानन्द से प्रभावित होकर वे आर्य समाज के साथ जुड़े तथा आर्य नेता प्रो. शेर सिंह एवं प्रसिद्ध राजनेता श्री निहाल सिंह तक्षक व त्यागी, तपस्वी संन्यासी स्वामी इन्द्रवेश जी के साथ उन्होंने लम्बे समय तक कार्य किया। चौ. सूबे सिंह जी अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद प्रशासनिक सेवा में कार्यरत हो गये। वे एस.डी.एम. के पद से रिटायर्ड हुए और लम्बे सेवाकाल के दौरान उन्होंने हरियाणा के विभिन्न जिलों में कार्य किया। चाहे प्रशासनिक कार्य रहे हों या आर्य समाज के कार्य रहे हों उन्होंने सदैव अपनी कुशलता, योग्यता, सूझबूझ एवं अनुभव का परिचय दिया और अपने प्रभाव से बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान भी उन्होंने निकाला। चौ. सूबे सिंह जी वर्तमान में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी को भी समय–समय पर अपना मार्ग दर्शन एवं सहयोग प्रदान करते रहते थे। गत् 4–5 वर्ष से उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में विशेषकर अपने पैतृक गाँव भागवी, जिला–भिवानी में लड़कियों की शिक्षा एवं उन्हें संस्कारित करने की दिशा में विशेष प्रयत्न किया तथा 'बेटी बचाओ अभियान' की प्रणेता बहन पूनम तथा बहन प्रवेश आर्या के सहयोग से संस्कार निर्माण शिविर लगवाकर अपने गाँव एवं क्षेत्र की सैकड़ों बेटियों को प्रमाण पत्र तथा पारितोषिक देकर उन्होंने उत्साहित किया। चौ. सूबे सिंह जी के जीवन में स्व. चौ. निहाल सिंह तक्षक का विशेष प्रभाव तथा योगदान रहा है। वे उन्हें अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। अतः उन्होंने श्री निहाल सिंह तक्षक के जीवन एवं कार्यों पर एक प्रेरणास्पद पुस्तक तैयार करवाकर प्रकाशित करवाई तथा इसका विमोचन सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के कर–कमलों से करवाया। पुस्तक का लेखन प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् एवं लेखक डॉ. प्रकाशवीर विद्यालंकार ने किया था। ऐसे उच्चकोटि के समाजसेवी एवं आर्य समाज को समर्पित व्यक्तित्व का निधन आर्य समाज की अपूर्णीय क्षति है।

चौ. सूबे सिंह जी की स्मृति में शांति यज्ञ एवं प्रेरणा सभा का आयोजन 14 फरवरी, 2018 को उनके निवास विकास नगर रोहतक में किया गया। प्रेरणा सभा की अध्यक्षता स्वामी आर्यवेश

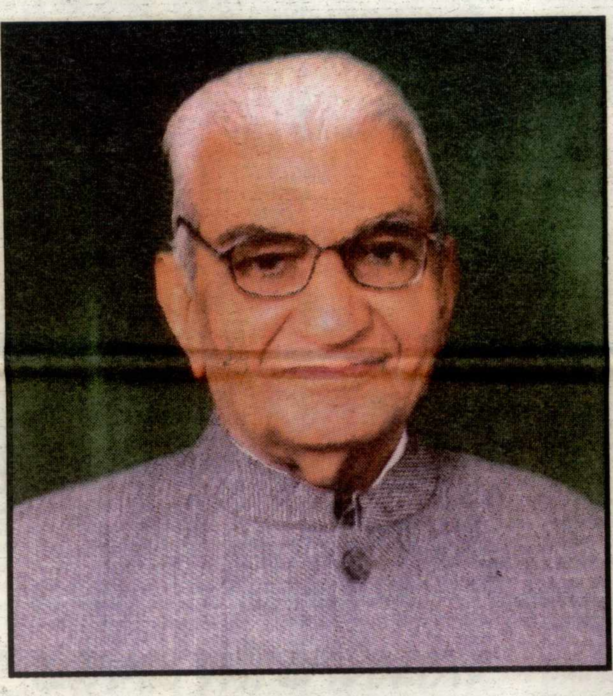

जी ने की तथा संचालन डॉ. प्रकाशवीर विद्यालंकार ने किया। शांति यज्ञ बहन पूनम एवं बहन प्रवेश आर्या ने बड़ी कुशलता के साथ सम्पन्न कराया। यज्ञ में चौ. साहब के बड़े पुत्र कर्नल अजीत सिंह एवं छोटे पुत्र कमाण्डर सूरत सिंह ने सपत्नीक भाग लिया तथा सैकड़ों परिजनों, रिश्तेदारों एवं शुभचिन्तकों ने आहुतियाँ दी।

श्रद्धांजलि सभा में सर्वश्री महेन्द्र सिंह श्योराण आई.आर.एस. कमिश्नर, भारत भूषण बत्रा पूर्व विधायक रोहतक, श्रीमती जयवन्ती श्योकन्द आई.ए.एस., बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या, विजय कुमार श्योराण, करतार सिंह बागला, डॉ. भूप सिंह आर्य–भिवानी, महाशय छोटूराम आर्य–इमलौटा, मा. अभयराम आर्य–भागवी, धर्मवीर सिंह आदि ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. प्रकाशवीर विद्यालंकार ने प्रेरणा सभा का संयोजन करते हुए कहा कि चौ. सूबे सिंह जी को मैं एक सुलझा हुआ मनीषी मानता हूँ। जिनसे समय–समय पर मुझे विशेष मार्ग दर्शन मिलता रहता था। उनके जाने से मुझे व्यक्तिगत रूप से और आर्य समाज की भी विशेष हानि हुई है। उन्होंने चौ. निहाल सिंह तक्षक की जीवनी लिखने का दायित्व मुझे सौंपकर जो सम्मान प्रदान किया वह मुझे सदैव स्मरण रहेगा।

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने भी चौ. सूबे सिंह जी के साथ काम करते हुए जो अनुभव प्राप्त हुए उनका विविध प्रकार से वर्णन किया। स्वामी जी ने बताया कि पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी के देहावसान के पश्चात् आर्य समाज के संगठन से सम्बन्धित समस्याओं पर चौ. सूबे सिंह जी से ही विशेष मार्ग दर्शन मिलता था। वे अत्यन्त सहृदय, शान्तप्रिय, सहनशील एवं उदारचित्त व्यक्तित्व के धनी थे। हमारे हर कार्य में उनका विशेष योगदान रहता था। उनके निधन से आर्य समाज का एक मजबूत स्तम्भ गिर गया है। स्वामी आर्यवेश जी ने उपस्थित परिजनों के प्रति सान्त्वना व्यक्त करते हुए उनके दोनों सुपुत्रों एवं सुपुत्रियों से आग्रह किया कि वे अपने पूज्य पिता जी के पदचिन्हों पर चलते हुए आर्य समाज के साथ जुड़े रहें और हर प्रकार से सहयोग करें। विदित हो कि चौ. सूबे सिंह जी के दोनों पुत्र सेना में बड़े अधिकारी हैं तथा एक बेटी डॉक्टर तथा दूसरी प्रिंसिपल हैं। उनके दोहित्र श्री आदित्य वर्तमान में करनाल जिले के उपायुक्त पद पर कार्यरत हैं। उनकी धर्मपत्नी पूज्या माता जी अत्यन्त सरल, धार्मिक वृत्ति तथा सेवावृत्ति से ओत–प्रोत हैं एवं आर्य समाज के कार्यों में विशेष रुचि लेती हैं। स्वामी आर्यवेश जी ने सार्वदेशिक सभा की ओर से दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। शांति पाठ के साथ प्रेरणा सभा समाप्त हुई।

– ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य
प्रधान सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, हरियाणा

डी.ए.वी. कॉलेज यमुनानगर के मासिक कार्यक्रम में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का प्रेरणास्पद व्याख्यान

यमुनानगर, हरियाणा की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था डी.ए.वी. महिला कॉलेज में नियमित चलने वाले मासिक यज्ञ एवं व्याख्यान के कार्यक्रम में गत् 30 जनवरी, 2018 को सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का प्रेरणादाई व्याख्यान हुआ। स्वामी जी के साथ वरिष्ठ आर्य संन्यासी स्वामी सच्चिदानन्द जी एवं ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य 29 जनवरी, 2018 को ही रात्रि में यमुनानगर पहुँच गये थे। विदित हो कि इस कॉलेज में लगभग 5 हजार छात्राएँ अध्ययन कर रही हैं। यज्ञ के उपरान्त स्वामी आर्यवेश जी ने अपने प्रवचन में हजारों छात्राओं को वैदिक सिद्धान्तों से अवगत कराया। स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य परमात्मा की विशेष कृति है और मनुष्य को ही उत्तम कर्म करते हुए उन्नति की ओर अग्रसर होने का अवसर प्राप्त है जो मनुष्य से इतर योनियों के प्राणियों को प्राप्त नहीं है। वे केवल भोग योनि के प्राणि हैं। अतः हमें मनुष्य जीवन को उत्तम कर्मों के द्वारा सार्थक बनाना चाहिए। स्वामी आर्यवेश जी ने युवावर्ग की विकृत मानसिकता को समाज के लिए अत्यन्त विनाशकारी बताते हुए कहा कि यदि मनुष्य की बुद्धि विकृत हो जाये तो वह पशुओं से भी बदतर एवं खतरनाक कार्य कर सकता है और यदि मनुष्य की बुद्धि सन्मार्ग पर चलने वाली हो तो वह धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के पुरुषार्थ चतुष्टय को अपनाकर अपने जीवन को आनन्द से ओत–प्रोत कर सकता है। मनुष्य के लिए आवश्यक है कि उसे 100 वर्ष तक जीने की इच्छा करनी चाहिए। यजुर्वेद के 40वें अध्याय के दूसरे मन्त्र में परमात्मा ने मनुष्य को प्रेरित करते हुए कहा है **'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छत समाः। एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।'** मन्त्र के अनुसार कर्म करते हुए 100 वर्ष तक जीने की जिजीविशा अर्थात् इच्छा बनाओ और ऐसे कर्म करो कि कर्मों में लिप्त न हो सको। इसका तात्पर्य यह है कि मनुष्य को निष्काम कर्म करने का अभ्यास बढ़ाना चाहिए। क्योंकि निष्काम कर्म ही हमें मुक्ति की ओर ले जा सकते हैं। 100 वर्ष तक जीने एवं निष्काम कर्म करने के लिए आवश्यक है कि मनुष्य को नियमित दिनचर्या सात्विक भोजन तथा सात्विक विचार के साथ अपने जीवन को उन्नत करना चाहिए। जिस व्यक्ति की दिनचर्या नियमित होती है, खान–पान सात्विक तथा शुद्ध होते हैं, जिसके विचार सात्विक होता है वह सदैव उन्नति की ओर बढ़ता है तथा उसमें प्राणिमात्र के प्रति करुणा, दया तथा सहृदयता उत्पन्न होती है। ऐसी प्रवृत्ति से ही मनुष्य निष्कामता को प्राप्त कर सकता है।

स्वामी जी ने समस्त छात्राओं का आहवान किया कि वे अपने आचरण एवं व्यवहार में सात्विकता अपनायें, अपने विचारों में सात्विकता को स्थान दें तथा अश्लीलता, उच्छृंखलता, अनुशासनहीनता आदि दुर्गुणों से दूर रहना चाहिए। वर्तमान समय में अपनी अन्धी मानसिकता एवं अज्ञानता के कारण जो लोग बेटियों को माँ के पेट में ही मरवा देते हैं वह एक जघन्य पाप एवं कानूनी अपराध है। इस जघन्य पाप के विरुद्ध छात्राओं को खुलकर आवाज़ उठानी चाहिए और संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने जीवन में कभी भी न तो भ्रूण हत्या करेंगी और न ही औरों को करने देंगी। रोज–रोज होने वाली बलात्कार और दुष्कर्म की घटनाओं को रोकने के लिए स्वामी आर्यवेश जी ने छात्राओं से कहा कि वे अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधते समय उनसे वचन लें कि वे अपनी बहन की इज्जत व आबरू सुरक्षित देखना चाहते हैं तो उन्हें भी औरों की बहन बेटियों की इज्जत व सम्मान उसी प्रकार करना होगा जैसे वे अपनी बहनों का सम्मान करते हैं। स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि आज महिलाओं की सुरक्षा का सवाल सबसे महत्त्वपूर्ण है और उनकी सुरक्षा के लिए पुरुष वर्ग ही जिम्मेदार है। यदि महिलाएँ इस दिशा में सक्रिय हो जायें तो वे पुरुषों को इसके लिए पाबन्द कर सकती हैं। कॉलेज की प्राचार्या ने स्वामी जी का धन्यवाद किया।

सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के सान्निध्य में हुआ ग्रीन फील्ड स्कूल कारौर, जिला–रोहतक, हरियाणा का वार्षिक समारोह

ग्रीन फील्ड स्कूल कारौर, जिला–रोहतक के वार्षिक समारोह में 2 फरवरी, 2018 को स्वामी आर्यवेश जी मुख्यअतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और उन्होंने अपने कर–कमलों से छात्र–छात्राओं को पारितोषिक वितरित कर उत्साहित किया। विदित हो कि ग्रीन फील्ड स्कूल, हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे समस्त प्राइवेट स्कूलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर हरियाणा के राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत किया गया है। इस स्कूल के 47 छात्र सी.बी.एस.सी. की 10वीं कक्षा की परीक्षा में बैठे थे और उनमें से 45 छात्रों का नाम मेरिट में आया है। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी स्कूल के छात्रों ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में आयोजित प्रतियोगिता में 6 गोल्ड मेडल प्राप्त किये। इसके अतिरिक्त अनेक उपलब्धियाँ इस स्कूल के छात्रों ने प्राप्त करके स्कूल की विशेष प्रतिष्ठा बनाई है।

स्वामी आर्यवेश जी के साथ स्थानीय एस.डी.एम. श्री तरुण पंवारिया, श्री हरिचन्द्र अहलावत, सरपंच विजेन्द्र सिंह व स्कूल के निदेशक श्री ईश्वर सिंह शास्त्री ने भी बच्चों के कार्यक्रम से प्रसन्न होकर उन्हें पुरस्कृत किया। स्कूल की प्रधानाचार्या ज्योति मलिक ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए उपस्थित जनसमूह को आश्चर्य चकित कर दिया। निःसंदेह यह विद्यालय उन्नति के चरम शिखर पर पहुँच रहा है। स्वामी आर्यवेश जी ने अपने संक्षिप्त सम्बोधन में विद्यालय के समस्त अध्यापक/अध्यापिकाओं तथा कार्यकारिणी के सदस्यों की विशेष प्रशंसा की और छात्र–छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रान्तीय जन-चेतना यात्रा-2018 के विभिन्न स्थानों पर संकल्प के दृश्य

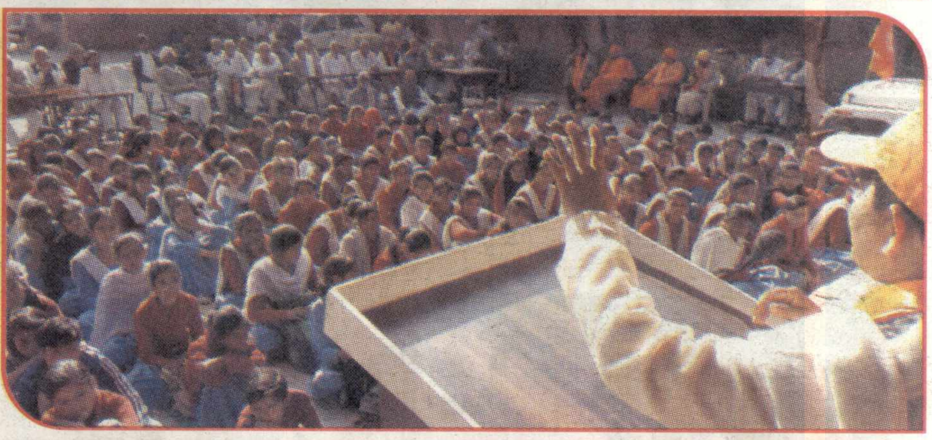
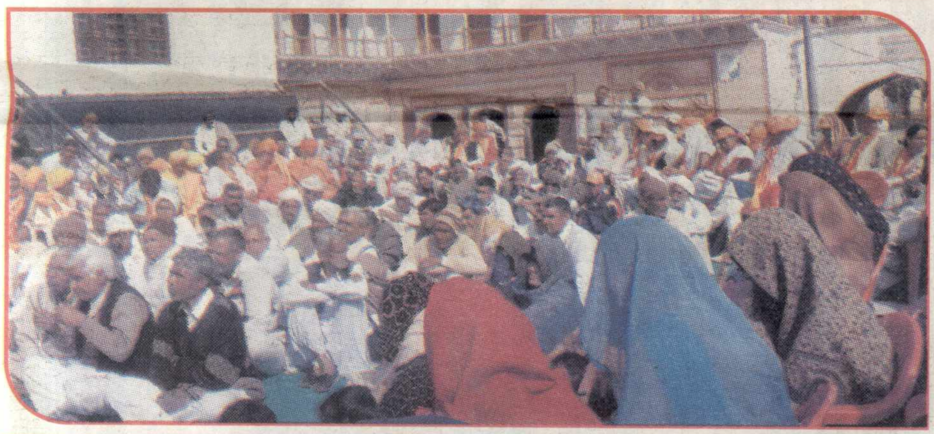

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/18-20
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2018-20]

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

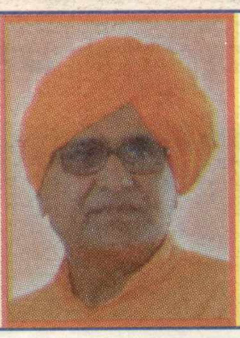

आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई–मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

प्रान्तीय जन–चेतना यात्रा–2018 के विभिन्न स्थानों पर संकल्प के दृश्य

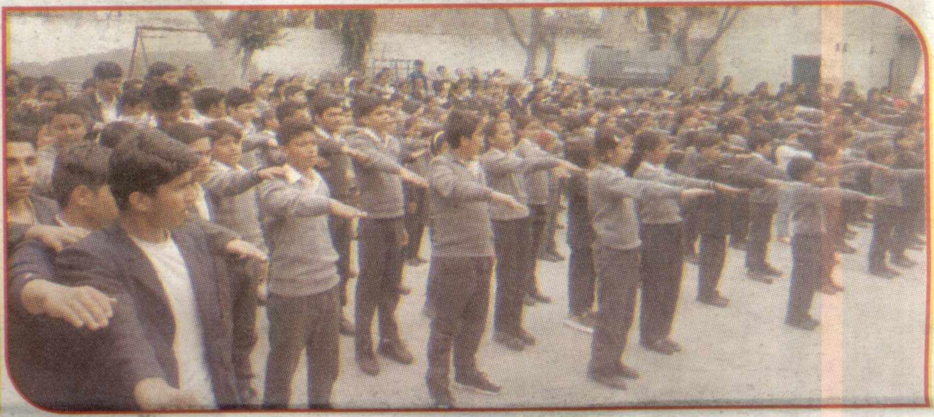
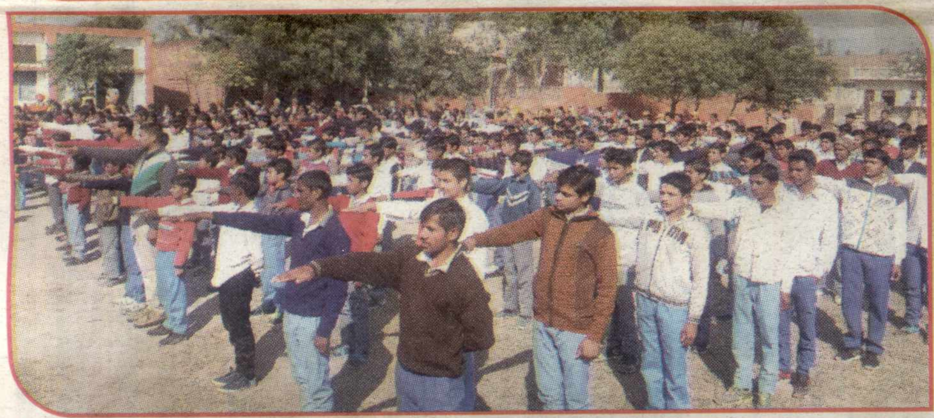

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।